IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

महिला सशक्तिकरण एवं मनरेगा :- हरियाणा में रोहतक जिले का विश्लेषण

डॉ सोनिका, सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान विषय, सामाजिक विज्ञान विभाग, मानविकी एवं उदार शिक्षा संकाय, बाबा मस्तनाथ विश्व विद्यालय अस्थल बोहर, रोहतक

शोधार्थी:- नगीना

परिचय :- किसी भी राष्ट्र के विकास में प्रत्येक व्यक्ति , वर्ग , जाति , समुदाय की महत्वपूर्ण भूमिका होती है | किसी भी देश की जनसंख्या का लगभग आधा भाग महिलाओं का होता है | महिलाओं को विकास की मुख्य धारा से जोड़े बिना किसी भी देश की आर्थिक , सामाजिक , शैक्षिक, राजनीति विकास की कल्पना तक नहीं की जा सकतीं | राष्ट्र को आगे बढ़ने की प्रेरणा देने वाले स्वामी विवेकानंद जी ने भी विकास की प्रक्रिया में महिलाओं की भूमिका व सहभागिता को महत्वपूर्ण मानते हुए कहा है कि " जिस प्रकार एक पंख से चिड़िया उडान नहीं भर सकतीं , उसी प्रकार बिना महिलाओं की सहभागिता से कोई राष्ट्र प्रगति की राह पर आगे नहीं बढ़ा सकता "

महिलाएं समाज का एक महत्वपूर्ण अंग है , महिलाओं के योगदान के बिना सामाजिक , आर्थिक , राजनीति , शैक्षिक , विकास की अवधारणा अधुरी है | जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता | स्वतंत्रता के पश्चात देश में महिलाओं की स्थिति सुधारने और सशक्त बनाने के लिए सरकार ने अनेक कार्य -कर्मों व योजनाओं को शुरू किया गया है | सरकार द्वारा शुरू की गई योजनाओं में से एक योजना महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना " मनरेगा " है | मनरेगा योजना को सरकार ने 2005 में " नरेगा " नाम से पारित किया था | और इस को लागू 2006 में किया था | नरेगा योजना कि शुरू आता आन्ध्रप्रदेश के अन्त पुर से की थी | लेकिन सरकार ने 2 अक्टूबर 2009 को नरेगा योजना का नाम बदल कर महात्मा गांधी के नाम के साथ जोड़ कर मनरेगा कर दिया और इस योजना के तहत एक व्यस्क नागरिक जो काम करने का इच्छुक है | उस व्यक्ति को 100 दिनों का रोजगार प्रदान किया जाता है | अगर इस योजना के तहत किसी व्यक्ति को 15 दिनों के अन्दर - अन्दर रोजगार नहीं मिलता तो सरकार उस व्यक्ति को बेरोजगारी भत्ता देतीं हैं |

मनरेगा योजना का प्राथमिक उद्देश्य ग्रामीण प्रवास को रोकना है | मनरेगा योजना शुरू करने का सरकार का एक ओर उद्देश्य था कि ग्रामीण महिलाएं को सशक्त बनाना है | महिला सशक्तिकरण यानि महिलाओं को सशक्त बनाना जिससे वह अपने जीवन से जुड़े सभी फैसले स्वयं ले सकें | अपने परिवार व समाज में अच्छे से रह सके | जो महिलाएं अपने आप को कमजोर समझतीं है और सोचती है कि वह कोई काम नहीं कर सकतीं ऐसी महिलाएं मनरेगा योजना में काम पा कर अपने आप को सशक्त महसूस कर रहीं हैं | कि वो भी अपने परिवार की आर्थिक रूप से सहायता कर रहीं हैं | वह किसी से कम नहीं है | सरकार ने मनरेगा योजना में महिलाओं की 33 प्रतिशत की भागीदारी सुनिश्चित की है | और यह योजना इतनी कारगर साबित हुईं हैं कि ग्रामीण इलाकों में जो परिवार गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करते थे | उनकी आर्थिक स्थिति में बहुत परिवर्तन आया है | और हरियाणा सरकार

ने पूरे भारत में मनरेगा के तहत मिलने वाली मजदूरी में बढोतरी कर महिलाओं के सपनों को एक नई उड़ान दी है | हरियाणा सरकार अब मनरेगा में काम करने वालों को 357 रुपये प्रतिदिन प्रदान करतीं हैं | जो सभी राज्यों में सबसे ज्यादा है | और हरियाणा सरकार का एक ही उद्देश्य है | कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को रोजगार प्रदान करना |

ग्रामीण महिलाओं के विकास में मनरेगा योजना ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है | महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में एक अनुपम आयाम स्थापित हो चुका है | मनरेगा योजना के तहत दलितों , पिछड़े , निर्धनों , कमजोर ग्रामीणों व महिलाओं को मुख्य धारा में शामिल करने का प्रयास किया किया गया है | रोजगार प्राप्त होने से सभी वर्गों व ग्रामीण महिलाओं में आत्मविश्वास पैदा हुआ है और इसी के साथ महिलाओं में जागरूकता बढ़ाने है | परिवार भी सुरक्षित हुए हैं और सामाजिक समस्याएं भी कम हुईं हैं | मनरेगा योजना का इस दिशा में किया जाने वाला सफल व सराहनीय प्रयास साबित हुआ है | हरियाणा सरकार व केन्द्र सरकार ने इसी दिशा में आगे बढते हुए महिलाओं व ग्रामीणों के लिए अनेक योजनाएं शुरू की है | सरकार का उद्देश्य है कि जो व्यक्ति काम करना चाहता उस व्यक्ति को रोजगार से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा और सरकार हर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित कर रहीं हैं | ताकि महिलाएं हर क्षेत्र में पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर चल सकें | और दोनों मिलकर परिवार , समाज , राष्ट्र को एक नई दिशा की ओर आगे बढ़ा सकें |

प्रस्तावित शोध का महत्व :-

1 . महिला सशक्तिकरण के लिए सरकार ने जो योजनाएं व नीतियां बनाईं है | उनसे अनुमान लगाया जा सकता है कि इन नीतियों व योजनाओं का लाभ हुआ है कि नहीं इनसे महिलाएं सशक्त हुईं हैं कि नहीं इस बात का अध्ययन करना |

2 . महिलाएं सामाजिक , राजनीतिक , और आर्थिक , शैक्षिक क्षेत्र में अधिक सक्रिय नहीं हो पाई | इसलिए इस अध्ययन में महिलाओं की सहभागिता को प्रभावित करने वाले कारकों का अध्ययन करना |

3 . मनरेगा योजना महिलाओं के लिए कितनी कारगर साबित हुई है | और क्या महिलाओं की आर्थिक स्थिति में परिवर्तन आया है | इस का अध्ययन करना |

4 . मनरेगा योजना को लेकर जो घोटाले सामने आएं है | जिसमें फर्जी मनरेगा कार्ड बनाएं जातें हैं और भष्ट्राचार मनरेगा से संबंधित एक बड़ी चुनौती है इससे निपटना आवश्यक है |

5 . हरियाणा में महिला सशक्तिकरण के स्वरूप को समझना बहुत आवश्यक है तथा रोहतक जिले में मनरेगा योजना कितनी कारगर हुईं हैं इस का पता लगाना |

शोध अध्ययन के उद्देश्य :-

1. मनरेगा योजना के प्रावधानों का अध्ययन करना |
2. हरियाणा में मनरेगा योजना के क्रियान्वयन का पता लगाना |
3. मनरेगा योजना में ग्राम पंचायतों की भूमिका का वर्णन |
4. लाभ आर्थियो को मिलने वाली सुविधाओं का विश्लेषण करना |
5. मनरेगा योजना की क्रियान्वयन में आने वाली समस्याओं का पता लगाना है |

शोध अध्ययन की परिकल्पना :-

1. मनरेगा योजना के प्रावधान उचित नहीं है |
2. हरियाणा में मनरेगा योजना के क्रियान्वयन सही है |
3. मनरेगा योजना में ग्राम पंचायतों की भूमिका सही नहीं है |
4. लाभ आर्थियो को मिलने वाली सुविधाओं का लाभ नहीं मिलता

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. खंडेला मानचंद , " महिला सशक्तिकरण" , अरिहंत पब्लिकेशन, जयपुर राजस्थान 2002
2. गिरिजप्पा , "ग्रामीण विकास में महिलाओं की भूमिका " ,नई दिल्ली, 1988 ।
3. देसाई नीरा , "भारतीय समाज में नारी" , नई दिल्ली , 1998 ।
4. अग्रवाल चन्द्रमोहन , "भारतीय नारी विविध आयाम " , इंडियन पब्लिशर्स, दिल्ली 2004 ।
5. अनीता , "पंचायती राज एवं महिला सशक्तिकरण" , राजस्थान विकास, 2000।
6. एम. ए. अंसारी , " राष्ट्रीय महिला आयोग और भारतीय नारी" , ज्योति प्रकाशन , जयपुर राजस्थान, 2000।
7. अरोड़ा रेणु , "सहकारिता और महिला सशक्तिकरण" , कुरुक्षेत्र हरियाणा, 2000।
8. सारस्वत स्वप्रिल, सिंह निशान्त , " समाज राजनीति और महिलाएं :- दशा और दिशा " , राधा पब्लिकेशन, नई दिल्ली, 2001।
9. सीमोन द बोउवार , "स्त्री :- अपेक्षित (सम्पादित प्रभा खेतान), हिन्द पॉकेट बुक्स , दिल्ली 2002 ।
10. नाटाणी प्रकाश नारायण , "महिला जागृति और कानून" , आविष्कार पब्लिकेशन, जयपुर राजस्थान, 2002 ।
11. चौधरी कृष्ण चन्द , " पंचायत में महिलाओं की भागीदारी " , कुरुक्षेत्र पत्रिका, जुलाई 2018।
12. जास्तित लारेन्स, " महिला श्रमिक :- सामाजिक स्थिति एवं समस्याएं " , अर्जुन पब्लिशिंग हाउस , नई दिल्ली , 2009 ।
13. शर्मा प्रेम नारायण एवं विनायक, " गरीबी उन्मूलन एवं महिला सशक्तिकरण " , लखनऊ उत्तर प्रदेश, 2011।
14. राजकुमार , " महिला एवं विकास " , अर्जुन पब्लिकेशन हाउस, नई दिल्ली, 2009 ।
15. नैंसी परनारी , " राजस्थान में मनरेगा" , राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर राजस्थान, 2013 ।
16. हनुमान सिंह गुर्जर, " राष्ट्र ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम" , हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर राजस्थान, 2015 ।
17. पद्मावती , "ग्रामीण निर्धनता का मूल्यांकन " , तिवारी प्रकाशन, दिल्ली 2002 ।
18. आनंद प्रकाश मिश्र , " ग्रामीण निर्धनता " , साहित्य भवन , आगरा , 1998 ।
19. छंदे खुदाई, " भारतीय ग्रामीण कल्याण" , तिवारी प्रकाशन, दिल्ली , 2001 ।
20. कुमार श्याम (उद्धत), " महिला सशक्तिकरण में मनरेगा की भूमिका :- एक समाजशास्त्र अध्ययन" , राधा कमल कुकर्जी , चिंतन परंपरा, वर्ष 2016 ।